गरीबी दूर कर रहा वाटरशेड प्रोजेक्ट

अब तक पांच फीसदी परिवार गरीबी रेखा से ऊपर आए

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। हिमाचल में मध्य हिमालय जलागम विकास परियोजना गरीबी भी दूर कर रही है। जल संग्रहण से उत्पादक क्षमता में बढ़ोतरी कर अब तक पांच फीसदी ग्रामीण परिवार गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। यह वाटरशेड प्रोजेक्ट दो जनजातीय जिलों को छोड़ शेष सभी 10 जिलों के 42 विकास खंडों में चलाया जा रहा है। कुल 602 ग्राम पंचायतों में 272 सूक्ष्म जलागम परियोजनाएं 11 उप जलागम मंडलों के तहत संचालित की जा रही हैं। परियोजना से लगभग 25 हजार लक्षित गरीब परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। यह दावा वन विभाग ने किया है।

जल संग्रहण अधोसंरचना विकसित होने से न केवल जलस्तर ने का प्रयास किया जा रहा है, बल्कि इससे फसल उत्पादन में भी बढ़ोतरी हो रही है। अब तक 7664 जल संग्रहण अधोसंरचनाएं विकसित की जा चुकी हैं और 6809 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा के अधीन लाया गया है।

- कई क्षेत्रों में फसल, सब्जी, फल उत्पादन क्षमता बढ़ी
- 7664 जल संग्रहण अधोसंरचनाएं विकसित कीं

प्रवक्ता ने बताया कि अब तक प्रोजेक्ट के तहत राज्य में 1953 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है और 2814 यूजर्ज समूह भी बनाए गए हैं। ऐसी पंचायतों जहां परियोजना दो साल पहले शुरू हो गई थी, के लिए जलागम पंचायत पुरस्कार योजना भी शुरू की गई है। इससे योजना के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। प्रथम पंचायत को चार लाख रुपए बतौर इनाम मिलता है।

विश्व बैंक के दल ने हाल ही में कुल्लू और मंडी जिलों के जलागम क्षेत्रों का दौरा किया था। इस दौरान परियोजना के काम की समीक्षा की गई। टीम ने काम को बेहतर पाया है और राज्य की तारीफ़ की है। पांच साल के दौरान इस योजना पर 365 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। वन विभाग को योजना के तहत लक्ष्य प्राप्त करने की उम्मीद है।